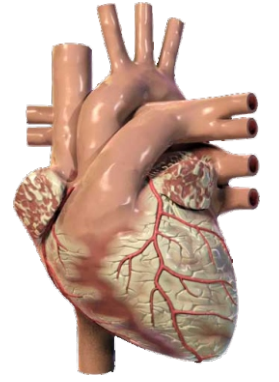


हृदय और धड़कन



वर्ष-7, अंक-74, फरवरी 20, 2016

 **CIMS**[®]

Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933

पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

कार्डियक एनेस्थेतिस्ट

डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288
डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और

पीडियाट्रिक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

अच्छे स्वास्थ्य के लिए कसरत

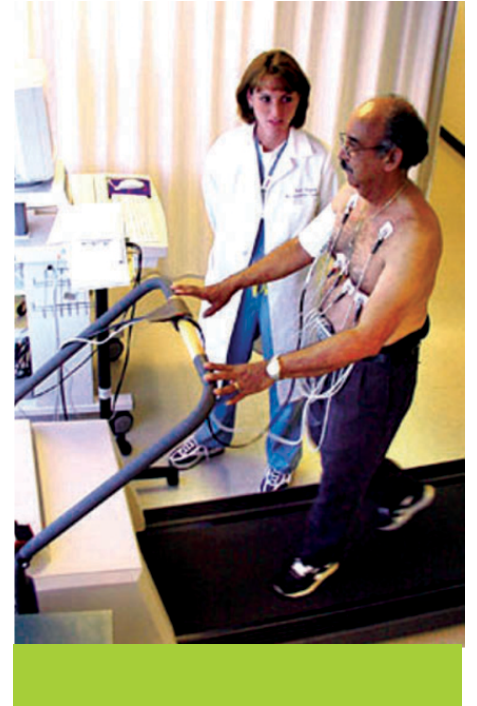
महत्त्व

अमेरिका कि हृदय से संबंधित सबसे बड़ी संस्था 'अमेरिकन हार्ट असोसियेशन' के सर्वेक्षण के अनुसार शारीरिक श्रम की कमी याने कि बैठे बिठाये जीने वाली जिन्दगी हृदयरोग होने का मुख्य कारण है।

इसके अलावा ऐसे जीवन से होने वाले दूसरे भी नुकसान हैं जैसे स्थूलता, डायबिटीज, ब्लडप्रेसर, रक्त में चरबी का बढ़ना इत्यादि।

फायदे

- चलने से शरीर की केलरी जलती है, जो वजन उतारने में और वजन को एक समान रखने में मदद करती है।
- हृदय की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे हृदय कम धड़कनों से ज्यादा रक्त पंप कर सकता है. इससे हृदय की खुद को रक्त की आवश्यकता कम हो जाती है।
- ऑक्सीजन को अधिक क्षमता से उपयोग करने की स्नायु की शक्ति बढ़ती है, जिससे हृदय को कम मात्रा में रक्त पंप करना पड़ता है।
- रक्त के दबाव को कम करता है, जिससे



रक्तचाप की दवा की मात्रा कम की जा सके।

- रक्त की खराब चरबी को कम करता है और अच्छी चरबी (HDL) बढ़ती है।
- रक्त में से शक्कर की कमी होती है, जिससे डायबिटीज की दवा की मात्रा कम की जा सकती है।
- बढ़ती उम्र के कारण होने वाली हड्डियों की कमजोरी कम होती है।



- स्तन और आँतों के कैंसर से बचा जा सकता है।
- शरीर में स्फूर्ती बनी रहती है, जिससे डिप्रेशन व मानसिक तनाव की बीमारियों से बचा जा सकता है।

कितनी व किस तरह

चलने की कसरत ये सारी दुनिया में 'साबित हुई' (Proven) सबसे अच्छी कसरत है। ५, १० या १५ मिनट से चलने की शुरुआत की जा सकती है। हर सप्ताह ५ मिनट बढ़ाते जाना चाहिए, और यह क्रम



तब तक जारी रखने का जब तक दिन का घूमना ३० से ४० मिनट नहीं हो जाए। एक सप्ताह में कम से कम ५ से ७ बार चलें। अकेले चलने से अच्छा है कि समयस्कों के साथ, या जीवनसाथी या बच्चों के साथ घूमने को नित्यक्रम बनाएं।



अगर चलने में किसी प्रकार की परेशानी है तो डॉक्टर / स्वास्थ्य सलाहकार से अलग प्रकार की कसरत के बारे में जानें।

आहार में नमक

नमक जरूरी क्यों है?

नमक (सोडियम क्लोराईड; NaCl) और पोटेशियम, शरीर के कोषों के सामान्य कार्य और प्रवहीन के योग्य संतुलन के लिए जरूरी है। नमक हमारे शरीर को नए प्रवाही लेने में और खराब प्रवाही का मूत्र के द्वारा निकाल करने में मदद करता है। इसके अलावा, नमक ब्लडप्रेसर को संभालने, डिहाइड्रेशन को रोकने में और किडनी को स्वस्थ रखने में भी आवश्यक है। अगर शरीर में नमक की मात्रा कम हो तो मस्तिष्क, हृदय, और स्नायुओं के कोष सही ढंग से काम नहीं कर सकते हैं।



शरीर में नमक की योग्य मात्रा का होना आवश्यक है, किन्तु जरूरत से ज्यादा नमक कई आरोग्य समस्याओं को जन्म दे सकता

है, एवं जरूरत से ज्यादा नमक हाथ पैर में सूजन भी ला सकता है।

आवश्यकता से अधिक नमक लेने से होने वाली सबसे गंभीर बीमारी है हाई ब्लडप्रेसर। हाई ब्लडप्रेसर से हृदयरोग का हमला, (हार्ट अटैक) की संभावना बढ़ जाती है। यु.एस.ए. में हाई ब्लडप्रेसर वाले एक तिहाई लोग नमक के प्रति संवेदनशील हैं, इसलिए अगर वह अधिक नमक खा लेते हैं तो उनका ब्लडप्रेसर बढ़ता है।



मात्रा कितनी होनी चाहिए?

हर रोज ४ ग्राम से ज्यादा नमक (अंदाजन एक पूरा चम्मच) अथवा २.४ ग्राम से अधिक सोडियम नहीं लेना चाहिए। पर सामान्यतया वयस्क रोज का १०-१२ ग्राम नमक अथवा ७-८ ग्राम सोडियम लेते हैं।



मेरे भोजन में नमक की मात्रा किस प्रकार कम की जाए?

भोजन में नमक कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं।

- खाते समय खाने में और नमक न डालें। लोग जितना सोडियम खाते हैं उसमें से एक तिहाई से आधा सोडियम खाते हुए या बनाते हुए डालते हैं।
- नमक के बदले अन्य मसाले व सोडियम रहित वस्तुएं उपयोग में ली जा सकती हैं।
- खाते तथा पकाते हुए बहुत कम अथवा नहीं के बराबर ही नमक लें। नमक के अलावा दूसरे मसाले प्रयोग में लें।
- नाश्ते में सोडियम की मात्रा की जांच करें, विशेष रूप से नमकीन कही जाने वाली चीजे और सामान्यरूप से अधिक नमकीन नहीं लगने वाले नाश्ते भी। टिन में सील किए हुए तथा पाउच पैकिंग में मिलने वाली तैयार चीजें जैसे कि सूप, आलू की या किसी अन्य प्रकार की वेफर्स, चिवड़ा, चिप्स



ठंड का समय, बाहर बर्फ की चादर, सवेरे चार बजे का समय गर्म चादर ओढ़कर गहरी नींद में था। घर के फोन की घंटी बजी 'आप घर पर विजिट करने की कितनी फीस लेते हैं?' किसी अंजान व्यक्ति ने पूछा। 'हे भगवान, यह पूछने के लिए तुम कैसे समय में फोन कर रहे हो?' मैंने गुस्से में कहा 'इस समय तुम्हारे घर आने के ५०० रुपये लूंगा।' 'और आपके क्लिनिक में मिलने की फीस कितनी?' फोन वाले व्यक्ति ने पूछा। '१०० रुपये।' 'ठीक है डॉक्टर,' फोन वाले व्यक्ति ने कहा, 'मैं आपको आपके क्लिनिक में पंद्रह मिनट में मिलता हूँ। तुरंत घर से निकलिए।'



वगेरह के लेबल पढ़ कर उसमें कितना नमक है यह जाना जा सकता है। ऐसे कई सूप, जमे हुए (frozen) तैयार नाश्ते, सोस, अचार, और केचप में नमक की मात्रा अधिक होती है।

- खारी सींग व पापड़ में भी नमक ज्यादा होता है।

सामान्य आहार में सोडियम की मात्रा

आहार	सोडियम की मात्रा
सेव (apple)	१.५ मि.ली. / ग्राम (कम)
केला	१.० मि.ली. / ग्राम (कम)
गाजर २	५० मि.ली. / ग्राम (कम)
चीज १२५ ग्राम (ज्यादा)	७०० मि.ली. / ग्राम
अचार (सामान्य) (ज्यादा)	९०० मि.ली. / ग्राम
मक्खन/मार्गरिन १ चम्मच	१२० मि.ली. / ग्राम
दूध (२ प्रतिशत चर्बी)	१२० मि.ली. / ग्राम
नमक एक चम्मच	२००० मि.ली. / ग्राम

सोडियम की मात्रा को कम करना आहार में करने लायक सबसे सरल परिवर्तन है। एक बार अगर कम सोडियम वाला आहार लेने लगेंगे तो आपकी जीभ नमक वाले आहार के प्रति अधिक संवेदनशील बन जाएगी। धीरे-धीरे आपको आपके भोजन में नमक की कमी महसूस नहीं होगी। जीभ की संवेदना में ऐसा बदलाव अधिकतर लोग एक महिने में ही महसूस करने लगते हैं।

नमक के अलावा अलग-अलग प्रकार के मसाले जरूरत के अनुसार डालकर भोजन को स्वीदिष्ट बनाया जा सकता है। परंतु चाट मसाला, फ्रूट मसाला, काला नमक जैसे नमकीन व्यंजन तो संभव हो वहां तक टालें। अगर आप किसी प्रकार की दवा लेते हों या कोई डॉक्टरी जांच चालू हो तो नमक का उपयोग कम करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह लें।

सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख



एक शिक्षक के रूप में
उन्होंने कड़्यों के
जीवन का निर्माण किया।
हमने उनके हृदय का
नवसृजन किया।



1 #dildilkikahani

नाम : श्री सयाली ईसोवी

आयु : ६८ वर्ष

स्थान : कुशांबे, तजाकिस्तान

- पश्चिमी भारत में एसवीआर प्रक्रिया के प्रणेता
- पीडियाट्रिक, जीरियाट्रिक, नाजुक हृदय और ग्रोनअप कॉन्जेन्शियल हार्ट सर्जरी के विशेषज्ञ
- विश्व प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट और सर्जनों की सक्षम टीम

श्री ईसोवी, एक शिक्षक, एक किसान और एक सामाजिक सेवक, अपने वतन दुशांबे-तजाकिस्तान में कई लोगों के प्रेरणास्रोत हैं।

रोजमर्रा के जीवन में विभिन्न तकलीफों के फलस्वरूप उनके हृदय की जाँच की गई, तो पता चला कि उनका हृदय असाधारण रूप से बड़ा था, जो सामान्य हृदय की अपेक्षा ५ गुना बड़ा था। इसके अलावा २ आर्टिरियाँ भी ब्लॉक थीं। रक्त के असाधारण दबाव के कारण उनके हृदय की पम्पिंग ६० प्रतिशत से घट कर २० प्रतिशत हो गई थी। इसके फलस्वरूप उनका हृदय किसी भी समय फेल होने की आशंका थी।

प्रत्येक कहानी में एक मोड़ (ट्विस्ट) जरूर होता है। ईसोवी के जीवन का यही था वह मोड़। सीम्स टीम के विशेषज्ञ कार्डियाक सर्जनों ने उनके हृदय को विश्व स्तरीय उपयोग में ली जाने वाली एसवीआर (सर्जिकल वैंट्रिक्युलर रिस्टोरेशन) प्रक्रिया द्वारा हृदय का माप बदल कर, सामान्य आकार में लाकर सुयोग्य धड़कता किया और बाईपास सर्जरी भी की। इसके फलस्वरूप उनका हृदय पहले से अधिक सशक्त व नियमित रूप से धड़कने लगा।

श्री ईसोवी ने हमें प्रेरणा दी कि विफलता का कद चाहे जितना ऊँचा हो, उसका आकार बदल कर उसे सफलता में बदला जा सकता है।



Care Institute of Medical Sciences

World-class practices. Trusted by doctors.

www.cims.me



अपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें: +91-79-30101200, 30101008

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाइन
+91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुक्रन मॉल के पास, ऑफ साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | CIMS Hospital India App on:



एन्टी-प्लेटलेट दवाएं

'एन्टी-प्लेटलेट' यानि कि एस्प्रीरीन इस दशक की अच्छी से अच्छी दवा है क्योंकि यह हृदयरोग और स्ट्रोक (लकवा) जैसी दो गंभीर बिमारियों को होने से रोकता है और जिनको भी यह रोग हुआ है उनको इन रोगों के नए हमले से बचाता है।

किस तरह काम करता है?

एन्टी-प्लेटलेट रक्त के अंदर के रक्त कणों (प्लेटलेट) को एक दूसरे से जुड़ने से रोकता है, और इस प्रकार रक्त में गांठे नहीं पड़ने देता है। इससे हृदय और मस्तिष्क की धमनियों में रक्त प्रवाह में रुकावट नहीं आती है, जो हृदयरोग के हमले व स्ट्रोक के मुख्य कारण हैं।

कब उपयोग में लिया जाता है?

एन्टी-प्लेटलेट सामान्यरूप से 'हाइ रिस्क' रोगी में हृदयरोग को व स्ट्रोक को शुरुआत में रोकने के लिए उपयोग में आता है। इसी प्रकार हृदयरोग या स्ट्रोक आने के बाद भी रोगी को दूसरा हमला (अटेक) न आए इसलिए इसे दिया जाता है।

दवा के विपरीत असर (Side Effects)

सामान्यतया एन्टी-प्लेटलेट की कोई गंभीर विपरीत असर नहीं होती है। एन्टी-प्लेटलेट लेने वाले रोगी में मिलने वाले कुछ विपरीत

असरों में पेट में गड़बड़ / जलन, पेट में दर्द, उल्टी, काले दस्त इत्यादि माना जा सकता है।

इसके अलावा किसी किसी रोगी के कान में झनझनाहट, सांस की तकलीफ, त्वचा में एलर्जी जैसी तकलीफें भी हो सकती हैं।



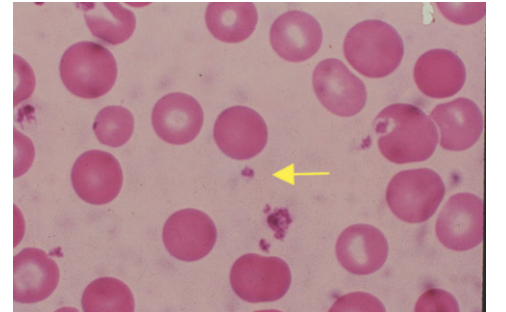
रोज की एक एस्प्रीरीन की गोली कार्डियोलोजिस्ट को दूर रखती है

एस्प्रीरीन सबसे पुरानी और प्रचलित दवा है। इसके फायदे बहुत हैं और हृदयरोग से पीड़ित अधिकतर रोगी इसको लेते हैं।

'क्लोपीडोग्रेल' नाम की दूसरी एक दवा खासतौर से एन्जियोप्लास्टी के रोगी एन्जायना और हार्ट अटेक के रोगी को दी जाती है।

जो मरीजों में ड्रग इल्युटींग स्टेन्ट (DES) का उपयोग

किया जाता है उन्हें जिंदगीभर एन्टी प्लेटलेट दवाएं लेनेकी सलाह दी जाती है।



प्लेटलेट्स



'हिचकी रोकने की दवा देना।' एक आदमी ने दुकान पर जा कर कहा।

दुकानदार ने तुरंत ही उस आदमी को एक थप्पड़ मारा। 'ऐसा किसलिए किया?' आदमी गुस्सा होते हुए बोला।

'तुम्हारी हिचकी बंद करने के लिए, देखा? बंद हो गई ना?'

'हिचकी मुझे आ ही नहीं रही थी। मोटर में बैठी मेरी पत्नी को हिचकी आ रही थी'



सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख





CIMS

भारत में एकमात्र केन्द्रों में से एक जहाँ तमाम संभावित पक्युटेनियस इंटरवेंशन किये जाते हैं

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (एसीसी)

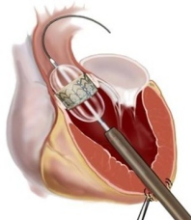
सेन्टर ऑफ एक्सिलेंस के रूप में प्रमाणित भारत का एकमात्र केन्द्र



International
Centers
of Excellence

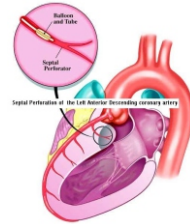
ट्रांस कैथेटर ऑर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट TAVR (TAVI)

एक न्यूनतम काट-छाँट वाली सर्जिकल प्रक्रिया, जिससे पुराने-क्षतियग्रस्त वॉल्व को हटाए बिना वॉल्व को रिपेयर किया जा सकता है।



पक्युटेनियस ट्रांसल्यूमिनल सेप्टल मायोकार्डियल एब्लेशन (PTSM)

हृदय के स्नायुओं की अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि घटाने के लिए न्यूनतम काट-छाँट वाली प्रक्रिया (सेप्टल ब्रांच में एब्सॉल्यूट अल्कोहल दाखिल करना)

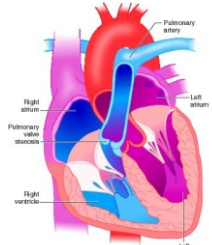


स्ट्रक्चरल इंटरवेंशन्स और एडल्ट कॉन्जेनिटल इंटरवेंशन

बलून माइट्रल/एऑर्टिक

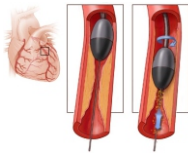
/पल्मोनरी /

वॉल्व्युलोप्लास्टी। असाधारण वॉल्व को बलून द्वारा चौड़ा करने की पद्धति।



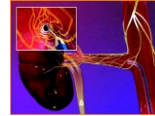
रोटाब्लेशन

रोटाब्लेशन में एक छोटी-सी ड्रिल का उपयोग कर धमनियों में जमा कैल्शियम हटाया जाता है। यह ड्रिल कम्प्रेस्ड हवा से काम करती है। १९९० से सिम्स कार्डियोलॉजी को इस बारे में सबसे अधिक अनुभव है और सैकड़ों केस में रोटोब्लेशन का उपयोग किया गया है।



रिनल डिनर्वेशन

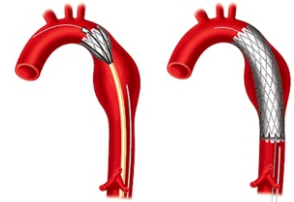
रिनल डिनर्वेशन प्रक्रिया में रिनल डिनर्वेशन (आरडीएन) के रूप में परिचित टेक्निक का उपयोग कर अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रिनल तंतुओं को शांत किया जाता है। इसके कारण किडनी में ऐसे अंतःस्रावों (हॉर्मोन) का उत्पादन घटता है, जिससे ब्लड प्रेसर बढ़ता है। वह हृदय, किडनी व रक्तवाहिनियों को अधिक नुकसान से बचाता है।



TEVAR

थोरेसिक एण्डोवैस्कुलर एन्युरिज्म रिपेयर

धमनी की दीवार असाधारण रूप से फूल गई हो, तो उसके उपचार की सर्जिकल पद्धति



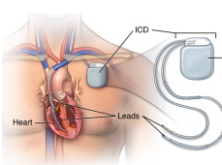
इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी

कार्टो ३ सिस्टम

मरीज के हृदय में एक से अधिक कैथेटर्स को सटीक तरीके से देखने व कैथेटर का स्थान जानने के लिए अत्याधुनिक थ्री-डी मैपिंग और इमेजिंग एवं अेरिथमोजेनीक का सचोट स्थान जानने के लिये

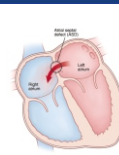
उपकरण

- ए.आई.सी.डी.
- सी.आर.टी.
- पेसमेकर



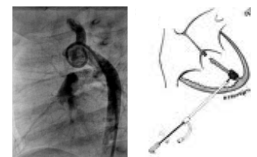
एट्रियल सेप्टल डायरेक्ट (एएसडी), वैट्रिक्युलर सेप्टल डिफेक्ट (वीएसडी) और पेटेंटडक्टस आर्टेरियस (पीडीए)

एक ऐसी प्रक्रिया, जिसमें सेप्टम के छेद में या हृदय के ऊपरी कक्ष (एएसडी) और निचले कक्ष (वीएसडी) में एक छतरी जैसा उपकरण दाखिल किया जाता है और उसे सम्पूर्ण बंद किया जाता है। शरीर की मुख्य धमनी से फेफड़े की धमनी में रक्त की अतिरिक्त आपूर्ति को नियंत्रित रखने की प्रक्रिया।



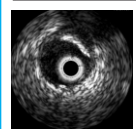
कॉम्प्लेक्स कॉन्जेनिटल पीडियाट्रिक इंटरवेंशन

इसमें एसडी क्लोजर के लिए हाईब्रिड प्रक्रिया, डक्ट स्टेंटिंग व सायनोटिकनियोनेट्स में आरवीओटी स्टेंटिंग का समावेश होता है। यह शिशुओं में सर्जरी करने का प्रभावी विकल्प है।



फेक्शनल फ्लोरिजर्व (FFR) और इंस्ट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउण्ड (IVUS)

यह गाइड वायर आधारित प्रक्रिया है, जिससे सटीक तरह से ब्लड प्रेसर व हृदय की धमनी के निश्चित हिस्से में प्रवाह मापा जाता है।



आईवीयूस द्वारा हम कॉरोनरी धमनी को अंदर से बाहर की तरफ देख सकते हैं, जिससे तत्काल तसवीरें मिलती हैं, जैसे कि कॉरोनरी एंजियोग्राफी, जो केथ लैब में की जाती है। सिम्स वर्षों से वच्युअल हिस्टोलॉजी सहित आईवीयूस का उपयोग करता है।

एमआरआई - सिग्ना एक्सप्लोरर एण्ड सीटी स्कैन - रिवाॅल्युशन
ईवीओ १२८ स्लाइस का सिम्स में शीघ्र ही आगमन होने वाला है (अगले महीने)।



एमआरआई मॉडल,
जो पहली बार कॉरोनरी एमआरआई
एंजियोग्राफी (कॉन्ट्रास्ट बिना) वाली है।



भारत में पहली बार उपयोग में ली
जाएगी, जो अत्याधुनिक
कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग से युक्त है।

CIMS
Care Institute of Medical Sciences
World-class practices. Trusted by doctors.



24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-7069000000

सीम्स अस्पताल : शुक्न मॉल के पास, ऑफ साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

अॅपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें: +91-79-30101200, 30101008

एम्ब्युलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

www.cims.me





सीम्स कैंसर सेन्टर

अत्याधुनिक कैंसर सर्जरी सेंटर का शुभारंभ रेडिएशन तथा मेडिकल ऑन्कोलॉजी युनिट के साथ



सर्जिकल ओन्कोलोजी टीम

डॉ. दर्शन आर. भणशाली
(मो) +91-9825096763

डॉ. जयेश वी. पटेल
(मो) +91-9825049874

डॉ. नटु पटेल
(मो) +91-9825043672

डॉ. अशोक पटेल
(मो) +91-9825020544

डॉ. तरंग पटेल
(मो) +91-9825022074

कैंसर सर्जरी

- मुँह और गले के कैंसर के ऑपरेशन और कमाण्डो ऑपरेशन-
- माइक्रोवैस्कुलर रिक्न्स्ट्रक्टिव ऑपरेशन
- स्तन कैंसर का ऑपरेशन और स्तन बचाने वाला कैंसर का ऑपरेशन
- थाइरॉइड और पैराथाइरॉइड ऑपरेशन
- पैरीटीड (लार ग्रंथि) के जटिल ऑपरेशन
- आँत व होजरी कैंसर के ऑपरेशन, दूरबीन से आँत के कैंसर के ऑपरेशन
- लीवर, पैंक्रियास (स्वादुपिंड) के ऑपरेशन
- गर्भाशय व अंडाशय के कैंसर के ऑपरेशन
- मूत्र मार्ग के कैंसर के ऑपरेशन
- हड्डी के कैंसर के ऑपरेशन
- फेफड़े के कैंसर के ऑपरेशन
- मस्तिष्क के कैंसर के ऑपरेशन

रेडियेशन ओन्कोलोजी टीम

डॉ. देवांग सी भावसार
(मो) +91-98253 74411

डॉ. किंजल आर. जानी
(मो) +91-98255 76533

डॉ. मौलिक भेसदडिया
(मो) +91-99257 85859

डॉ. मल्हार पटेल
(मो) +91-95376 64757

डॉ. प्राप्ति पटेल देसाई
(मो) +91-9039271466

मेडिकल ओन्कोलोजी टीम

डॉ. चिराग देसाई

डॉ. राहुल जयस्वाल

डॉ. संकेत शाह

डॉ. अभिषेक ककरू

डॉ. भाविन शाह

डॉ. शैलेश तलाटी

डॉ. संदिप शाह

डॉ. दीपा त्रिवेदी



इलेक्टा सिनर्जी प्लेटफॉर्म -

अत्याधुनिक रेडिएशन का उपचार देने के लिए

Arez Khambatta Benevolent Trust की पहल

एशिया में पहली बार,

Versa-HD रेडिएशन थेरापी

जो विशाल श्रेणी की गाँठ तथा जटिल

प्रकार के कैंसर का उपचार करेंगे



अपॉइन्टमेंट के लिये संपर्क करे : +91-99792 75555

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-7069000000

एम्बुलन्स और आपातकालीन सेवायें
+91-98244 50000, 97234 50000

"सीम्स हॉस्पिटल" (CIMS Hospital) की एप्लीकेशन उपलब्ध है



सीम्स अस्पताल : शुक्रन मॉल के पास, ऑफ साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

info@cims.me | www.cims.me



"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20th of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under

Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट, सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060



सीम्स होस्पिटल की तरफसे आपको नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिये एवं नये रसप्रद केशो की जानकारी के लिये हमारे साथ फेसबुक से जुडे. आप सीम्स होस्पिटल की एप्लीकेशन एन्ड्रोइड, एपल (आईफोन) एवं विन्डोइज फोन में डाउनलोड कर सकते हो जिससे आपको स्वास्थ्य संबंधित उपयोगी मार्गदर्शन मिल सकेगा ।



“सीम्स होस्पिटल” (CIMS Hospital) की एप्लीकेशन उपलब्ध है



सीम्स अस्पताल : शुक्न मॉल के पास, ऑफ साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060
अपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें: +91-79-30101200, 30101008 (मो) +91-9825066661

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया ।